Series : ABCD4/3

SET – 3

प्रश्न–पत्र कोड **2/3/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Core Hindi Core

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं ।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **7** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

*

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 2 घण्टे   *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न–पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न–पत्र में **दो** खंड हैं । **खंड–क** और **खंड–ख** ।*

(iii) *इस प्रश्न–पत्र में कुल **07** प्रश्न पूछे गए हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

(iv) *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।*

खंड – क

(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन) **(20)**

1. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से **किसी एक** शीर्षक का चयन कर लगभग **200** शब्दों का एक रचनात्मक लेख लिखिए : **1 × 5 = 5**
   - कितना कुछ देती है प्रकृति
   - जब अचानक भू-स्खलन हुआ
   - मोबाइल खेलों की बढ़ती लत

2. (a) आपके पैतृक गाँव में उच्च शिक्षण-संस्थानों की कमी है । किसी प्रमुख हिंदी समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षण-संस्थानों के अभाव का उल्लेख कीजिए और उन क्षेत्रों में उच्च शिक्षण संस्थान खोलने का सुझाव दीजिए । **5**

अथवा

* (b) आप अपने घर के पास स्थित मॉल में खरीददारी करने गए । खरीददारी करने के उपरांत आपने पाया कि आपकी स्कूटी निर्धारित स्थान पर नहीं है । थाना जाने पर आपकी शिकायत भी नहीं लिखी गई । पूरी जानकारी देते हुए क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त/अधीक्षक को पत्र लिखिए । **5**

3. (i) (a) कहानी और नाटक में क्या अंतर है ? दोनों के मूल तत्त्वों की समानता बताते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए । **3**

अथवा

(b) कहानी के पात्रों को नाट्य रूपांतरण में किस प्रकार प्रभावशाली बनाया जा सकता है ? उदाहरण सहित लिखिए । **3**

(ii) (a) रेडियो नाटक के लिए किन तीन मुख्य बातों का विचार करना चाहिए और क्यों ? **2**

अथवा

(b) रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा और रंगमंच के लेखन से भिन्न कैसे है ? **2**

4. (i) (a) समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली कौन सी है ? उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **3**

अथवा

(b) विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है ? इसकी भाषा शैली संबंधी विशेषताओं का आधार क्या होता है और क्यों ? **3**

(ii) (a) बीट रिपोर्टर बनने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करनी पड़ती हैं ? उदाहरण सहित समझाइए । **2**

अथवा

(b) नए एवं अप्रत्याशित विषयों पर लेखन से आप क्या समझते हैं ? यह एक चुनौती कैसे है ? **2**

खंड – ख

(पाठ्य–पुस्तक और अनुपूरक पाठ्य–पुस्तक) **(20)**

5. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **(2 × 3 = 6)**

   (i) 'उषा' कविता में 'भोर के नभ' की पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता को किन रूपों में वर्णन किया गया है ? अपने शब्दों में लिखिए। **3**

   (ii) 'खेती न किसान को' छंद के आधार पर बताइए कि तुलसीदास ने अपने समाज के लोगों की जीविका विहीनता का चित्रण कैसे किया है। **3**

   (iii) फिराक गोरखपुरी की गज़ल के शेरों से उभरने वाले प्रकृति–सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए। **3**

6. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **(3 × 3 = 9)**

   (i) 'पहलवान की ढोलक' कहानी प्राचीन लोक–कलाओं के संरक्षण का संदेश देती है। इनके पुनर्जीवन के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं ? **3**

   (ii) 'नमक' कहानी में आए चरित्रों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए कि आज भी दोनों देशों की जनता के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है। **3**

   (iii) 'श्रम–विभाजन और जाति–प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि जाति आधारित श्रम विभाजन आर्थिक विकास के लिए किस प्रकार बाधक है। **3**

   (iv) 'श्रम–विभाजन और जाति–प्रथा' पाठ के आधार पर बताइए कि मनुष्य को पेशा बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने से क्या परिणाम होता है ? **3**

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3 + 2 = 5)**

   (i) (a) उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जो लेखक की इस मान्यता की पुष्टि करते हैं कि "सिंधु घाटी सभ्यता समृद्ध थी परंतु उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था"। **3**

   अथवा

   (b) 'ऐन फ्रैंक की डायरी' पिछले 50 वर्षों में विश्व में सबसे अधिक पढ़ी गई पुस्तकों में से एक है। इस डायरी में ऐसी क्या विशेषताएँ हैं ? लिखिए। **3**

   (ii) (a) 'मुअन जो–दड़ो' के बड़े घरों में छोटे कमरे होने का क्या कारण था ? **2**

   अथवा

   (b) 'ऐन फ्रैंक की डायरी' उसकी निज़ी भावनात्मक उथल–पुथल का दस्तावेज भी है। इस कथन की विवेचना कीजिए। **2**

*

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटीसी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती - जो परीक्षार्थियों के भविष्य ,है, शिक्षा प्रणाली और अध्यापनव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती - है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयताकिए गए , इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक | मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं हैजो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता , किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और ,इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना | है के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता IPC वेबसाइट आदि में छापना/समाचार पत्रहै |
3. मूल्यांकन अंकयोजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए-, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकयोजना का अनुपालन - पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए।**हालाँकिमूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज् ,ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकनयोजना में दिए गए निर्देशों के - अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न -। मूल्यांकन(×) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (√) कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्नप्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अ/धिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें उन्हीं पर अंक दें। ,

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।-
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0- 40(उदाहरण 0-अंक जैसा 40 कि प्रश्न में दिया गया है (का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्यघंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य 8 अवधि में अर्थात-**30** प्रतिदिन मुख्य विषयों की । करना है उत्तरउत्तर पुस्तिकाएँ 35 पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की-विस्तृत विवरण) जाँचनी हैं।'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है(
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करेंजो पिछले वर्षों में की जाती , । रही हैं

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिहन **)** या (√) किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि ,लगाना (√)**×(** का उपयुक्त चिहन ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो(
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर)x ( ) निशान लगाएँ और शून्य0अंक दें। (
14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना , मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ हैआवरण पृष्ठ पर तथा योग । में कोई अशुद्धि नहींरह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुनमूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर : निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
मार्च -2022
अंक योजना : हिंदी - आधार (302), प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3
कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न सं	**प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या**			**उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	2/3/1	**2/3/2**	**2/3/3**		
				खंड क **(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)**	
1.	1.	1.	1.	<u>किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख</u> भूमिका विषयवस्तु भाषा	 **1** **3** **1**
					5
2.	2.	2.	2.	<u>पत्र लेखन</u> आरंभ और अंत की औपचारिकताएॅ विषयवस्तु भाषा	 **1** **3** **1**
					5
3.	3. i (a)	4. i (a)	3. i (a)	• कहानी कही जाती है या पढ़ी जाती है। • नाटक में पात्रों द्वारा अभिनय किया जाता है साजसज्जा-, मंच सज्जा , संगीत और प्रकाश की व्यवस्था होती है। • कहानी और नाटक दोनों में ही कथानक होता है। • कहानी श्रव्य प्रधान है जबकि नाटक दृश्य-श्रव्य प्रधान है।	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• कहानी का प्रभाव सुन कर या पढ़ कर होता है , जबकि नाटक का प्रभाव मंचित होने पर होता है। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	• कहानी के पात्रों का नाट्य रूपांतरण करते समय मुख्य घटनाओं को चुन कर स्थिति और परिवेश के अनुरूप वेशभूषा में प्रस्तुत करके। • कथानक के अनुरूप पात्रों की भावभंगिमाओं को प्रस्तुत - करके। • पात्रों के मानसिक द्वंद्व को स्वगत कथन या 'वायस ओवर' के माध्यम से प्रस्तुत करके। • कथावस्तु के अनुसार संवाद योजना करके। • ध्वनि और प्रकाश की व्यवस्था के माध्यम से। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	ii (a)	ii (a)	ii (a)	• रेडियो नाटक में श्रव्य माध्यम से ही प्रस्तुति • ध्वनि के माध्यम से एकरेखीय प्रस्तुति • इसमें छोटी अवधि के कथानक • पात्रों की संख्या सीमित • इसमें दृश्य वर्णनात्मक • इसका मंचन नहीं • सबकुछ ध्वनि प्रभाव और संवादों के माध्यम से ही कथ्य की प्रस्तुति **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	• रेडियो नाटक श्रव्य माध्यम • रेडियो नाटक में सिनेमा एवं रंग मंच की भांति मंच सज्जा नहीं • रेडियो नाटक में वेश भूषा नहीं • रेडियो नाटक में अभिनय और भाव भंगिमा नहीं **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	**2/3/2**	**2/3/3**		
4.	4. i (a)	3. i (a)	4. i (a)	उल्टा पिरामिड शैली <u>विशेषताएँ-</u> • सबसे महत्वपूर्ण जानकारी को पहले लिखा जाता है • शेष इसी क्रम में लिखते हैं • अंत में क्या, क्यों, कैसे कहाँ का विस्तार किया जाता है • यह किसी समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1 + 2**
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	• विशेष लेखन किसी विषय पर सामान्य से हटकर गहराई के साथ किया जाने वाला लेखन है • संवाददाता को विशेष विषय के विषय में गहन जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है • भाषा सटीक , स्पष्ट और तथ्यों पर खरी होनी चाहिए। • साधारण बोल चाल की भाषा, क्लिष्टता नहीं **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	ii (a)	ii (a)	ii (a)	• संबंधित विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए। • रिपोर्टिंग से संबंधित भाषा और शैली पर पूरा अधिकार होना चाहिए। • किसी भी स्रोत या सूत्र पर आँख मूँदकर भरोसा नहीं करना चाहिए बल्कि जानकारी की गहनता के साथ पुष्टि करनी चाहिए। **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	• किसी विशेष विषय पर लेखन • पूर्व परंपरा से हट कर अलग नवीन लेखन • जानकारी के नए श्रोतों का उपयोग **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
5.				**खण्ड-ख** **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
	5. (i)	—	—	मिश्रित रंग , शीतलता, पवित्रता, एवं आर्द्रता के आधार पर (**छात्रों द्वारा दिए गए अन्य तर्क संगत उत्तर भी स्वीकार्य**)	**3**
	(ii)	—	—	जैसे पंख के बिना पक्षी और सूँड़ के बिना हाथी असहाय और पीड़ित हो जाते हैं ठीक उसी प्रकार की स्थिति लक्ष्मण को शक्ति लगने के कारण राम की हो रही है। वे साधारण पुरुष की भांति भाव विह्वल है और असहनीय कष्ट वहन कर रहे हैं	**3**
	(iii)	—	—	• बालकोचित हठी स्वभाव • बालक का अबोधपन • आग्रही एवं बात-बात पर मचलना	**3**
	—	5. (i)	—	• राख से लीपे चौके से जो गीला है • काली सिल पर केसर से • काली सलेट पर चौक, खड़िया से लिखे जाने से	**3**
	—	(ii)	—	• मूर्छित लक्ष्मण को देख कर राम का विलाप करना • भाई की तुलना में सीता को भी कम आँकना • अत्यधिक भाव विह्वल होना • लक्ष्मण को परम स्नेही एवं विश्वास पात्र मानना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	—	(iii)	—	• दिवाली पर खिलौने लाना • घरौंदों में दीपक जलाना • रक्षाबंधन पर वर्षा के रिमझिम मौसम में पैरों में पायल पहने हुए ठुमकती बहन की प्रसन्नता का मनोहारी वर्णन	3
	—	—	5. (i)	• उषा कविता में भोर के नभ की **पवित्रता** को राख से लीपा हुआ चौका द्वारा • **निर्मलता** को नीले जल में किसी की गौर झिलमिल देह द्वारा • **उज्ज्वलता** को 'काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धूल गई हो' या 'स्लेट पर लाल खड़िया चाक मल दी हो'	3
	—	—	(ii)	• किसानों के पास खेती नहीं है • भिखारी को भिक्षा नहीं मिलती , ब्राह्मण को दान दक्षिणा नहीं मिलती • व्यापारियों का व्यापार ठप है • रोजगार चाहने वालो को नौकरी नहीं मिलती • प्रत्येक वर्ग गरीबी , बेरोजगारी , भुखमरी से त्रस्त हैं **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	—	—	(iii)	• बगीचों में खिलने वाली कलियों की सुंदरता का गतिशील चित्रण किया गया है । • रात्रि के निःशब्द और सुनसान वातावरण में तारों का, सन्नाटे का मानवीकरण किया है। • बगीचे इस तरह अपनी कलियों की पंखुड़ियों को खोलते हुए दिखाई दे रहे हैं मानो कोई पक्षी हवा में उड़ने के लिए अपने पंख फैला रहा है। उनकी खुशबू, उनका रंग चारों तरफ बिखरा-सा दिखाई देता है। • भोर के नभ की सुंदरता का वर्णन किया है । **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				खण्ड-ख **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
6.	6. (i)	—	—	• सामाजिक जीवन में लोक-कलाओं की महत्ता का संदेश • ढोलक की थाप द्वारा ग्रामीणों में धैर्य , साहस एवं स्फूर्ति का संचार • लोक कलाओं को प्रासंगिक बनाये रखने का संदेश	**3**
	(ii)	—	—	• लोगों ने भारत और पाकिस्तान के विभाजन को मन से नहीं स्वीकारा है । • जन सामान्य अपने जन्म स्थान अर्थात मूल में आस्था रखता है । • परस्पर एक दूसरे का सम्मान करना एक अपने-पन का भाव है । • कस्टम अधिकारी व सफिया और सिख-बीबी के भावनात्मक लगाव इसके उदहारण है।	**3**
	(iii)	—	—	• डॉ0 आंबेडकर के आदर्श समाज की नींव समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर टिकी है। • समाज के सभी मनुष्यों को अपनी क्षमता विकसित करने के लिए रूचि अनुसार व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता होना • गतिशीलता एवं परिवर्तनशीलता	**3**
	(iv)	6. (iv)	6. (iv)	• उद्योग-धंधों की जटिल प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास होने से • अकस्मात परिवर्तनों के कारण भी व्यवसायी को पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ती है। • व्यवसायी को होने वाले व्यवसायिक घाटे के कारण भूखों मरने की नौबत आ जाती है।	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने से बेरोजगारी बढ़ना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	—	(i)	—	• नए राजा द्वारा कुश्ती की जगह क्रिकेट को वरीयता देना • भारत पर पश्चिमी सोच का प्रभावी होना • लोककला और उसके कलाकारों का अप्रासंगिक हो जाना जिससे पहलवान लुट्टन सिंह के परिवार की दुर्दशा	**3**
	—	(ii)	—	• सफ़िया भावना प्रधान है , उसकी सोच ईमानदार है। • भाई कर्त्तव्य प्रधान एवं कानून मानने वाला है। • क्योंकि सफ़िया को भावनाएँ नियंत्रित करती है , भाई को बुद्धि और कानून। यहाँ उनकी निजी सोच परिवेश व प्रभाव का परिणाम है।	**3**
	—	(iii)	—	• सभ्य समाज के लिए जाति प्रथा और श्रम विभाजन अधिक हानि कारक है • यह मनुष्य की रूचि एवं आत्मशक्ति को दबा कर निष्क्रिय एवं उदासीन बना देते हैं • थोपे गए पेशे में सामान्यतया अरुचि होती है	
	—	—	(i)	• कहानी के अनुसार प्राचीन लोककलाएँ और कलाकार - किसी भी देश की सांस्कृतिक धरोहर होते हैं। • विश्व-स्तर पर देश की पहचान होते हैं। • लोक-कलाएँ हमें हमारे स्वर्णिम अतीत से जोड़ती हैं। • राज्य और केंद्रीय दोनों ही स्तरों पर सहायता की आवश्यकता है। • नवयुवकों को अच्छे प्रशिक्षकों के द्वारा उचित प्रशिक्षण, सम्मान एवं पुरष्कार दिया जाना चाहिए। • निजी संस्थाओं द्वारा भी इन कलाकारों को प्रोत्साहन देना चाहिए **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	___	___	(ii)	• दोनों ही देशों के लोगों के हृदय में आज भी पारस्परिक भाईचारा, सौहार्द्र, स्नेह और सहानुभूति विद्यमान है। • सामाजिक तौर पर आज भी जनता के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है। • अमृतसर में रहने वाली सिख बीबी लाहौर को अपना वतन कहती है और लाहौरी नमक का स्वाद नहीं भूली, पाकिस्तान में रहने वाले कस्टम अधिकारी 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों' को अपना सलाम भिजवाता है। भारतीय सीमा पर तैनात कस्टम अधिकारी ढाका की जमीन को नहीं भुला पाता।	**3**
	___	___	(iii)	• जाति आधारित श्रमविभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर - निर्भर नहीं रहता। • मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता। • व्यक्ति को जन्म के आधार पर मिला पेशा ही अपनाना पड़ता है। • जबरदस्ती थोपे गए पेशे में उनकी अरुचि हो जाती है, इस कारण आर्थिक हानि होती है । **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
7.	7. (i)	7. (i)	7. (i)	• समाज में साधन सम्पन्नता • राजसत्ता और धर्म सत्ता का दबाव नहीं • वास्तुकला पर आधारित व्यवस्थित नगर योजना एवं उपयुक्त जल व्यवस्था , जल निकासी प्रबंध , सड़के आदि सुनियोजित होना • सुदृढ़ सामाजिक व्यवस्था • कृत्रिमता और आडंबर नहीं	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	**2/3/2**	**2/3/3**		
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	• भय , आतंक , भूख-प्यास, आहत, मानवीय संवेदनाएं, हवाई हमले का डर, पकडे जाने का भय, किशोरावस्था के सपने, अकेलेपन की पीड़ा आदि।	**3**
	(ii) a	(ii) a	(ii) a	• बड़े घरों में छोटे कमरे संभवतः नौकर-चाकरों के • इन कमरों में बड़े कमरों जैसी सुख सुविधाएँ नहीं	**2**
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	• डायरी में ऐन फ्रैंक के निजी सुख-दुख , भावनात्मक उथल-पुथल , हिटलर द्वारा यहूदियों पर अत्याचार के समाचारों का कोमल मन पर प्रभाव, नर संहार का भय • अपनी सामाजिक परिस्थितियों और उनके प्रभावों का उल्लेख • युद्ध की विभीषिकाओं का वर्णन करते-करते ऐन फ्रैंक की भावुकता प्रकट, विविध प्रसंगों में निजी सुख-दुख का वर्णन • परिवार के सदस्यों द्वारा उसकी भावनाओं को नहीं समझ पाना	**2**